अमरूद में अति सघन (मीडो आरचर्ड) बागवानी

- परंपरिक दूरी (6.0 मी. × 6.0 मी., 277 पौधे/हे.) की अपेक्षा अति सघन प्रणाली (मीडो आरचर्ड)(1 मी. × 2 मी., 5000 पौधें/हेक्टेयर) में अधिक पौधों का समायोजन
- परम्परागत बागवानी की अपेक्षा लगभग 5 गुना ज्यादा पैदावार
- कम समय में उच्च गुणवत्ता वाली भरपूर फसल
- पौधों को छोटा रखने के लिये शुरू से ही कटाई छटाई आवश्यक
- रोपण के 2 माह बाद 30-40 सें.मी. की ऊँचाई पर कटाई
- कटे हुए भाग के नीचे से नये कल्लों का सृजन
- परिपक्व कल्लों के 50 प्रतिशत भाग की कटाई
- परिपक्व होने पर इन कल्लों की भी 50 प्रतिशत भाग पुन: कटाई
- साल में तीन बार कटाई
- पौधों की ऊँचाई 1 से 1.5 मी. तथा पौधों को कतार में हेज का रूप

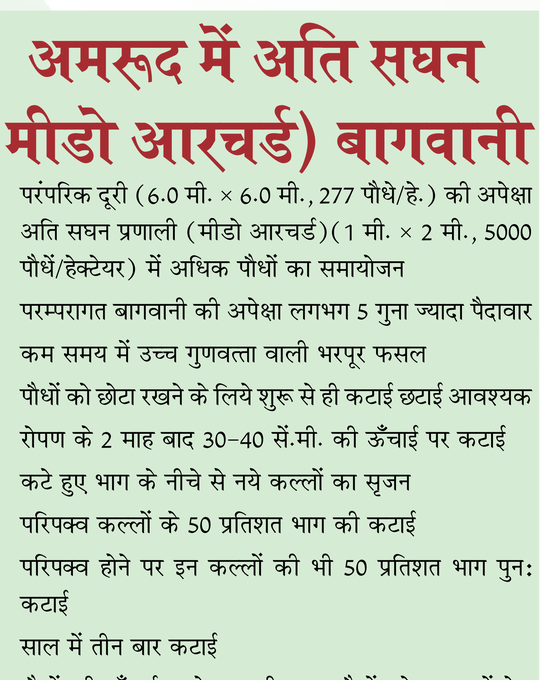

पौध रोपण 2 × 1 मी. की दूरी पर (1)

जमीन की सतह से 30-40 से.मी. की ऊँचाई पर कटाई (2)

कटाई के बाद हुई वृद्धि (3)

दूसरी कटाई के बाद की वृद्धि (4)

तीसरी कटाई के बाद की वृद्धि (5)

तीसरी कटाई के बाद फूलों का निकलना (6)

पहले वर्ष में फलत

दूसरे वर्ष में फलत

तीसरे वर्ष में फलत

चौथे वर्ष में फलत

पांचवे वर्ष में फलत

पांचवे वर्ष से आगे

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA ❙ Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand ❙ E-mail: missionhortiuk@gmail.com ❙ Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. Surbhi Pandey, Coordinator (HMNH) ❙ E-mail: surbi_pandey@yahoo.com